मन्नार खाड़ी और पाक खाड़ी की जेलीफिश विविधता और जेलीफिश डंक का प्राथमिक उपचार

शरवणन आर.

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान का मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र, मंडपम, तमिल नाडु

क्राइसोरा प्रजाति (*Chrysaora* sp.)

क्राइसोरा की दो से अधिक प्रजातियाँ भारत के तटीय जल में मौजूद है। मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी क्षेत्रों में उन्हें आम तौर पर "पलकारा सोरी" या "वाल सोरी" कहा जाता है। यह जेलीफ़िश दृढ़ता से डंक कर सकती है लेकिन जीवन को खतरनाक स्थिति नहीं बनाती है। यदि आप समुद्र तटों और समुद्र के किनारे इस प्रजाति को पाये जाते हैं तो नंगे हाथों से छूना नहीं चाहिए।

क्राम्बियोनेल्ला प्रजाति (*Crambionella* sp.)

इस जेलीफ़िश की तीन प्रजातियां भारत के तटीय समुद्र में फैली गयी हैं। ये जेलीफ़िश डंक नहीं करती हैं, इसलिए इन्हें संभालना सुरक्षित हैं। ये जेलीफ़िश दक्षिण पूर्व एशियाई देशों और चीन में खाद्य हैं। भारत चीन को खाद्य योग्य जेलीफिश का निर्यात करने वाले प्रमुख देशों में एक है।

क्राइसोरा प्रजाति जेलीफिश

क्राम्बियोनेल्ला प्रजाति जेलीफिश

लोबोनीमा प्रजाति (*Lobonema* sp.)

इस जीनस की एक प्रजाति मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी तट पर फैली गयी है। यह जेलीफ़िश भी डंक कर सकती है; इसलिए जब आप समुंदर के किनारे पानी में उतरते हैं तो नंगे हाथ से मत छूएं। यदि आप इन जेलीफ़िशों द्वारा डंक मारे जाते हैं, तो आप उस स्थान पर सिरका डाल सकते हैं जिससे आपके शरीर में फैलाए जाने वाला ज़हर कम हो जाएगा । सिरका डालने से जलन कम हो जाएगी। कभी भी डंक हुए स्थान को न रगड़ें या साफ करने के लिए ताजे पानी का उपयोग न करें।

सयानिया प्रजाति (*Cyanea* sp.)

इस जीनस की दस से अधिक प्रजातियां दुनिया के महासागरों के आसपास फैली जाती हैं और मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी क्षेत्रों से इनमें से एक प्रजाति पाई जाती है। यह जेलीफ़िश भारी मात्रा में डंक कर सकती है और गंभीर मामलों में चिकित्सा उपचार की आवश्यकता हो सकती है। मछुआरों को मछली पकड़ने की नाँव पर ध्यान से इन्हें संभालना चाहिए।

मत्स्यन जाल में फंस गयी लोबोनीमा प्रजाति

सयानिया प्रजाति जेलीफिश

रोपिलेमा प्रजाति (*Rhopilema* Sp.)

इस जीनस की एक प्रजाति मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी के तटीय समुद्र में मौजूद है। यह जेलीफ़िश मज़बूती से डंक कर सकती है, इसलिए नंगे हाथ से मत छूएं। यदि इस जेलीफ़िश डंक के कारण जलन होती है, तो उस स्थान पर सिरका डालें, लेकिन कभी भी ना रगड़े या साफ करने के लिए ताज़े पानी का उपयोग न करें।

फाइसलिया प्रजाति (*Physalia* sp.)

फाइसलिया का घाव अन्यथा आमतौर पर "पोर्चुगीस मैन ऑफ वार" कहलाता है, बहुत दर्दनाक होता है और

रोपिलेमा प्रजाति जेलीफिश

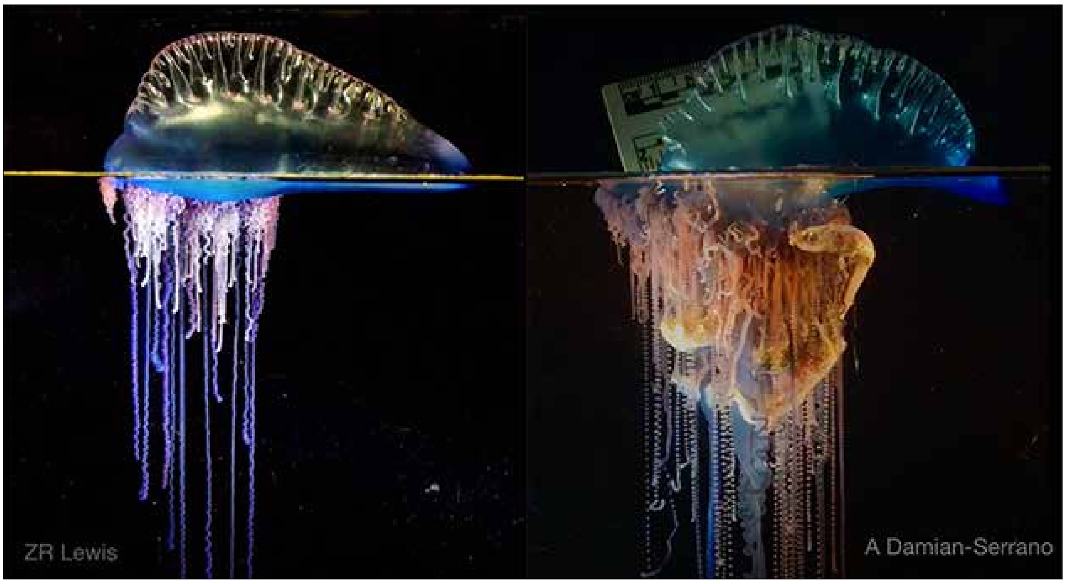

फाइसलिया प्रजाति जेलीफिश

दुर्लभ अवसर में यह घातक हो जाता है। फाइसलिया घाव के लिए सिरका का कभी भी उपयोग न करें बल्कि नेमाटोसिस्ट को निष्क्रिय करने के लिए गरम पानी का उपयोग करें। यह एक हाइड्रोज़ोअन उपनिवेशी जेलीफ़िश है।

बॉक्स जेलीफिश (Box Jellyfish)

मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी में बॉक्स जेलीफ़िश के वितरण की सीमा पर अध्ययन किया जा रहा है। आम तौर पर बॉक्स जेलीफ़िश अत्यधिक विषैली होती हैं और जीवन को खतरनाक स्थिति का कारण बन सकते हैं। बॉक्स जेलीफ़िश का डंक गंभीर पीठ दर्द,

मांसपेशी ऐंठन और मतली होने का कारण बनता है। इन जेलीफ़िशों को आम तौर पर तमिल नाडु के मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी क्षेत्रों में नालू मुलै सोरि, कुत्तु सोरि और कुवालाई सोरि कहा जाता है। बॉक्स जेलीफ़िश के घाव के लिए अस्पताल में इलाज की जरूरत है।

सामान्य प्राथमिक चिकित्सा

- क्राइसोरा (*Chrysaora* sp.), लोबोनीमा (*Lobonema* sp.), रोपिलेमा (*Rhopilema* sp.) और सयानिया (*Cyanea* sp.) प्रजातियाँ जीवन की धमकी देने वाली स्थिति का कारण नहीं बनती हैं और दर्द आमतौर पर किराने की दुकानों में उपलब्ध सिरका से कम किया जा सकता है।
- फाइसलिया प्रजाति (*Physalia* sp.) के घाव के लिए सिरका का कभी भी उपयोग न करें।
- जेलीफ़िश घाव के किसी भी प्रकार के लिए ताज़े पानी या आइस-क्यूब का कभी भी उपयोग न करें।
- बॉक्स जेलीफ़िश के घाव के लिए अस्पताल में तुरन्त चिकित्सा लेने की आवश्यकता है।